

# Homiletischer Text- und Klangraum Stimmung – Atmosphäre – Predigt

|   |            |
|---|------------|
| <b>0. Einführung</b> .....                              | <b>10</b>  |
| <b>1. »Stimmung« und »Atmosphäre«</b> .....             | <b>14</b>  |
| 1.1. Begriffsklärungen .....                            | 14         |
| 1.2. Stimmung .....                                     | 15         |
| 1.2.1. Philosophische Kontexte .....                    | 17         |
| 1.2.2. Psychologische Kontexte .....                    | 24         |
| 1.2.3. Abgrenzung zu Emotionen .....                    | 28         |
| 1.2.4. Mood-management .....                            | 31         |
| 1.3. Atmosphäre .....                                   | 33         |
| 1.3.1. Der Atmosphärenbegriff .....                     | 34         |
| 1.3.2. Aspekte im Sprechen von Atmosphäre .....         | 39         |
| 1.3.3. Atmosphäre und Kommunikation .....               | 41         |
| 1.3.4. Umgang mit Atmosphären .....                     | 43         |
| 1.4. Stimmung und Atmosphäre als Kategorien .....       | 45         |
| der Theologie   |            |
| 1.4.1. Religion und Ästhetik .....                      | 46         |
| 1.4.2. Affekt .....                                     | 49         |
| 1.4.3. Gefühl .....                                     | 53         |
| 1.4.4. Sensus fidei und Sensus fidelium .....           | 56         |
| 1.4.5. „Freude und Hoffnung, Trauer und Angst .....     | 63         |
| der Menschen“ (GS 1)                                    |            |
| 1.4.6. Lebenswirklichkeit als Resonanzraum .....        | 66         |
| 1.4.7. Der Begriff »Atmosphäre« in der Poetischen ..... | 72         |
| Dogmatik von Alex Stock                                 |            |
| 1.5. Eine erste Konkretion auf Predigt im Kontext ..... | 81         |
| von Gottesdienst: Liturgische Atmosphären               |            |
| 1.5.1. Raum-Atmosphären .....                           | 83         |
| 1.5.2. Klang-Atmosphären .....                          | 93         |
| 1.5.3. Zeit-Atmosphären .....                           | 107        |
| 1.5.4. Person/-en und Atmosphären .....                 | 112        |
| 1.6. Predigt und Gottesdienst wirken .....              | 115        |
| 1.7. Fazit .....  | 119        |
| <b>2. »Textklangraum« Gottesdienst</b> .....            | <b>122</b> |
| 2.1. Ein neuer Begriff und seine Entwicklung .....      | 122        |
| 2.1.1. Begriffsdefinition .....                         | 122        |
| 2.1.2. Revision der Lese- und Predigtperikopen in ..... | 125        |
| der evangelischen Kirche                                |            |
| 2.1.2.1. Homiletisch-liturgische Aspekte .....          | 126        |
| 2.1.2.2. Kirchenmusikalische Aspekte .....              | 139        |

|           |  |            |
|-----------|--|------------|
| 2.1.3.    | »Textraum« und »Klang« eines Sonntags .....                  | 142        |
| 2.1.4.    | Einschätzungen aus der Erprobungsphase .....                 | 147        |
| 2.2.      | Eine Handlungsoption für die homiletische Praxis .....       | 150        |
|           | innerhalb der röm.-kath. Perikopenordnung?                   |            |
| 2.2.1.    | Entwicklung und Situation der bestehenden .....              | 151        |
|           | röm.-kath. Leseordnung                                       |            |
| 2.2.1.1.  | Katholische Vorentwürfe zur neuen Leseordnung: .....         | 153        |
|           | Jounel, Feder/Danchin, Kloster Maredsous                     |            |
| 2.2.1.2.  | Die röm.-kath. Leseordnung (Ordo Lectionum Missae) .....     | 160        |
| 2.2.1.3.  | Exkurs: Bestehende Ordnungen neben der .....                 | 175        |
|           | röm.-kath. Leseordnung                                       |            |
| 2.2.2.    | Drei Reformvorschläge .....                                  | 181        |
| 2.2.2.1.  | Konsonante Epistellesungen (Adrien Nocent) .....             | 181        |
| 2.2.2.2.  | Vorschlag »Patmos« (Hansjürgen Becker) .....                 | 183        |
| 2.2.2.3.  | Kanon der Schrift als hermeneutische Vorgabe .....           | 187        |
|           | (Georg Braulik, Norbert Lohfink)                             |            |
| 2.2.3.    | Zusammenfassung und Konkretionen für den .....               | 190        |
|           | homiletischen Text- und Klangraum                            |            |
| 2.2.3.1.  | Die Pastorale Einführung in das Messlektionar: .....         | 190        |
|           | Anregungen und Kritik  |            |
| 2.2.3.2.  | Spannungen aushalten: Konsonanzen .....                      | 196        |
|           | und Dissonanzen  |            |
| 2.2.3.3.  | Resonanz für Konsonanz und Dissonanz .....                   | 203        |
| 2.2.3.4.  | Homiletischer Text- und Klangraum als .....                  | 214        |
|           | „offenes Kunstwerk“  |            |
| 2.3.      | Fazit .....  | 223        |
| <b>3.</b> | <b>Den homiletischen Text- und Klangraum gestalten .....</b> | <b>226</b> |
| 3.1.      | Erfahrungen aus der Kasualien-Praxis .....                   | 228        |
| 3.1.1.    | Die einzelnen Kasualien: Taufe, Trauung, Beerdigung .....    | 237        |
| 3.1.1.1.  | Taufe .....  | 237        |
| 3.1.1.2.  | Trauung .....  | 242        |
| 3.1.1.3.  | Beerdigung .....   | 247        |
| 3.1.2.    | Lebenszyklische Gottesdienstformen .....                     | 250        |
| 3.2.      | »Stimmung« und »Atmosphäre« in den Liturgien .....           | 254        |
|           | der geprägten Zeiten des Kirchenjahres                       |            |
| 3.2.1.    | Aschermittwoch, Österliche Bußzeit, Heilige Woche .....      | 256        |
|           | und Oster-Triduum  |            |
| 3.2.2.    | Weihnachtsfestkreis .....                                    | 265        |
| 3.3.      | Handlungsoptionen für den gemeindlichen .....                | 272        |
|           | Sonntagsgottesdienst   |            |
| 3.4.      | Predigt im Kontext einer »Inszenierung« des .....            | 283        |
|           | Wortgottesdienstes als »Text- und Klangraum«                 |            |
| 3.4.1.    | Die unterschiedlichen »Texte« .....                          | 287        |

|                           |   |            |
|---------------------------|---|------------|
| 3.4.1.1.                  | Schrifttexte: Evangelium, Lesungen, Psalm.....          | 287        |
| 3.4.1.2.                  | Predigt.....  | 297        |
| 3.4.1.3.                  | Eröffnung und Statio als »Ein-stimmung«.....            | 305        |
| 3.4.1.4.                  | Lieder (Liedpredigt/Predigtlied) und Gesänge .....      | 309        |
| 3.4.1.5.                  | Bekenntnis und Gebet.....                               | 314        |
| 3.4.2.                    | Predigt mystagogisch grundiert und signiert.....        | 316        |
| 3.5.                      | Kirchenmusik.....                                       | 322        |
| 3.5.1.                    | Orgel- und Instrumentalmusik .....                      | 325        |
| 3.5.2.                    | Chorgesang.....   | 328        |
| 3.5.3.                    | Kooperation von Liturgen*innen und Musikern*innen ..... | 331        |
|                           | in Ausbildung und Praxis                                |            |
| 3.6.                      | Die Ausführenden.....                                   | 335        |
| 3.6.1.                    | Lektor*in.....  | 335        |
| 3.6.2.                    | Kantor*in.....  | 339        |
| 3.6.3.                    | Kirchenmusiker*in.....                                  | 342        |
| 3.6.4.                    | Prediger*in.....  | 344        |
| 3.6.5.                    | Ministranten*innen .....                                | 349        |
| 3.6.6.                    | Hörer*in.....   | 350        |
| 3.7.                      | Technische und räumliche Bedingungen.....               | 352        |
| 3.8.                      | Feedback, Reflexion, Coaching.....                      | 355        |
| 3.9.                      | Fazit.....  | 357        |
| <b>4. Schluss</b>         | .....   | <b>362</b> |
| Literaturverzeichnis..... |   | 365        |